Hkkjrh; ykdra= ds fy;s lclss cMk [krjk --------!

jkgqy xka/kh cMh ftEesnkjh fuHkkus ds fy, rS;kj gks x;s gSA oSls eku x, gS fd cMh ftEesnkjh mBkus ds fy, mudks d/ks rS;kj gSA rc bl ckr dh iwjh lEHkkouk gS fd 2014 esa gksus okys vke pqukoksa esa mUgsa iz/kkuea=h in ds fy, izLrqr fd;k tk,xkA vxj ,slk **होता है तो यह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा होगा। वर्तमान समय में अगर कोई चीज लोकतंत्र की सबसे बड़ी शत्रु है तो वह है देश के प्रधानमंत्री पद का किसी एक परिवार के लिए आरक्षित हो जाना। राहुल गांधी को जिस** rjg ls >kM+ iksNdj iz/kkuea=h **पद के लिए तैयार किया गया है उससे वे देश के लोकतंत्र के सबसे बड़े शत्रु बन गये हैं।**

vkt dk jktuhfrd okrkoj.k dk n[kr gq, yxrk gS fd iz/kkuea=h in xka/kh ug: ifjokj dh lEifr gks xbZ gS ftls ij os viuk gh ifjokj dk fdlh lnL; को देखना चाहते हैं। स्वतंत्रता के बाद से ही चली आ रही परिवारवाद की यह समस्या आज देश की सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। गांधी परिवार में ऐसी कोई विशेषता नहीं है जिसके बिना इस देश का काम न चल सके। एक विकार की तरह कांग्रेस में यह विचार हमेशk iHkkoh jgk है कि योग्यता का मतलब होता है प्रधानमंत्री का पद और प्रधानमंत्री के पद का मतलब होता है नेहरू गांधी वंश परंपरा। यह विकार कितनk विकराल हो गया है इसका उदाहरण सत्यव्रत चतुर्वेदी के उस बयान से भी पता चलता है जिसमें वे बड़ी बेशर्मी से कहते हैं कि प्रधानमंत्री in dh ;kX;rk vc ug: xk/kh ifjokj dh jDrcht esa lek x;h gSA

dkxzsl esa ifjokjokn dh ;g leL;k vkt ls gh ugha cfYd Lora=rk ds ckn ls gh pyh vk jgh gSA tc ug: iz/kkuea=h in ij vklhu Fks rks mUgksus fdlh nwljs O;fDr dks vkxs c<kus ds ctk; viuh cVh bfnjk xka/kh dks vkxs c<k;k tcfd bfnjk esa mlls le; dksbZ vlk/kkj.k; [kkfl;r नहीं थी। इंदिरा के बाद राजीव गांधी आए और उनके बाद सोनिया गांधी एक तरह से कांग्रेस सरकार में देश चला रही हैं। सोनिया क ckn jkgqy dks Hkh mlh iFk ij vkxs c<k;k tk jgk g] ftl ij उनके परिवार वाले चले हैं। उनको प्रधानमंत्री बनने की शिक्षा बहुत पहले से दी जा रही है। vc mldk ifj.kke n[kus dk le; vk;k gSA

dkxzsl urRo bl ckr dks Hkh iwjk /;ku j[krk gS fd tc bl rjg dk dksbZ fu.kZ; ysrs rks dksbZ fojks/k dk Loj u mBsA blds fy, og ikVhZ esa ऐसे लोगों को संरक्षण देता है जो उनके फैसलों के पीछे हमेशा सिर हिलाये। कांग्रेस पार्टी उन्हें उंचा ओहदा देती है जिससे वे मुश्किल घड़ी में हमेशा उनका साथ देते हैं। नेहरू गांधी परिवार हमेशा अपने आसपास एक चौकड़ी निर्मित करके रखता है। समय समय पर ;gh pkdMh ug: xka/kh ifjokj dh onuk djds mudk iklfxd cuk; j[krh gSA vc ftu ij dkxzsl u bru ,glku fd, gks o mudk f[kykQ dSls tk ldrs gSA ug: ifjokj vkSj ; mudS lj{k.k esa iyus okys ykx ,d nwljs ds iwjd gSA yfdu ;g izofr dkxzsl ds vkrfjd ykdra= ds fy, Hkh ?kkrd gSA D;kfd ;fn jkgqy iz/kkuea=h curs gS rks dkxzsl v/;{k dh dqlh dkSu lEHkkyxkA ;g loky cjdjkj gSA oSls rks lkfu;k th gS gh ;k ;fn T;knk gh ykdra= का ढोंग करना हुआ तो अभी से दिग्विजय सिंह, सलमान खुशीर्द, सत्य व्रत चतुर्वेnh ljh[k ykx ykbu yxus esa [kM gks pds gSA

xka/kh ug: ifjokj us egkRek xka/kh ds uke dk bLrseky djds jktuhfrd lQyrk rks vftZr djs yh] yfdu mUgksus xka/kh th ds fopkjksa dk frykatfy ns nhA ug: ifjokj us lekt dks jkLrk fn[kk;k] yfdu mlls jkLrs ij pyus ls os [kqn drjkrs jgsA mUgksus xka/kh ds ejrs gh mudsa fopkj dks Hkh R;kx fn;kA tc xkMls us xka/kh dks ekjk rks Hkys gh mldks deh Hkh xyrh Fkk] vkSj fu.kZ; Hkh yfdu ;gh ckr mldh uhfr ds ckjs esa ugha dgh tk ldrhA D;kfd mlds fopkj nks"kh gks ldrs gS yfdu mldh uhfr ughaA ug: ds ckjs esa ;gh ckr Fkks.Mh myVh gSA mudsa deZ vkSj fu.kZ; Hkys gh lgh gks ijUrq uhfr ij loky mBuk ykteh gSA

loky ;g Hkh mBrk gS fd vxj jkgqy bruk ;kX; O;fDr gS rks mUgsa dkxzsl ikVhZ dk v/;{k cuk fn;k tk,A ;gk rd fd egkRek xka/kh dh txg cBk fn;k tk, rks dksbZ ykdra= fojks/kh ckr ugha gksxhA yfdu iz/kkuea=h gh D;k\ D;k dkxzsl dh utj esa ;kX;rk dk vFkZ iz/kkuea=h dh dqlhZ ek= gS\ ;k xka/kh ug: ifjokj dk vfre y{; gh iz/kkuea=h dh dqlhZ rd igqpuk gS\ iz/kkuea=h ds in ij vxj fdlh ,d gh ifjokj ds लोगों का कब्जा बना रहे तो लोकतंत्र का झुकाव राजशाही की ओर बढ़ता जाता है।

भारत जैसे लोकतंत्र के लिए यह बात भी खतरनाक है कि संविधान संशk/ku dk vf/kdkj lalnn dks ikl gS जिससे सरकार की तानाशाह बनने की आशंका हमेशा बनी रहती है। अगर सरकार कोई ऐसा संशोधन कर दे जिससे उसकी अवधि ज्यादा लंबी हो जाए तो लोकतंत्र को राजतंत्र बनने से रोक पाना मुश्किल होगा। इसकी थोड़ी सी झलक आपातकाल के दौरान जनता देख चुकी है। संविधान संशोधन के लिए एd vyx bdkbZ dk gkuk vfuok;Z g] ftlls turk dh Lora=rk dks dksbZ [krjk u gksA

Tkks ykx euekgu flag dh vkykpuk djrs gS vkSj mUgsa fQj ug: xka/kh ifjokj ds fy, mUgha dh iln dk iz/kkuea=h crkrs gS os ykdra= ls मजाक कर रहे हैं। मनमोहन सिंह की प्रशंसा की जानी चाहिए। इसलिए भी क्योंकि उन्gksus ug: xka/kh ifjokj dh ifjf/k ls iz/kkuea=h in dks ckgj रखा और कांग्रेस का शासन होने के बाद भी] xj ug: xka/kh ifjokj dk gksus ds ckotn iz/kkuea=h ds in ij nks ckj vklhu gq,] yfdu blds lkFk gh euekgu flag dh bl fy, Hkh rkjhQ dh tkuh pkfg, fd mUgksus ug: ds mls lektoknh vkfFkd <kp dks Hkh /oLr dju dk dke fd;k ftlds lgkjs ug: xka/kh ifjokj vkfFkd rjDdh dks nckk Hkjrk jgkA ug: ds blh vkfFkd ekMy ds lgkjs lektokn ykus vkSj xjhch हटाने की अनेक कोशिश की गई लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हु,A

ऐसा लगता है कि फल के परिपेक्ष्य को देखते हुए किसी षड़यंत्र के अन्र्तगत जिसमें सुषमा स्वराज सहित भाजपा का बड़ा वर्ग भी शामिल हैं] mUgs vkt cnuke djus jgk gSA vxj okLro esa urRo esa deh gS rks lkfu;k xka/kh dh Hkh vkykpuk gksuh pkfg,A euekgu flag dh ughA Hk"Vkpkj dks रोकने का सबसे सही तरीका है निजीकरण जिसका हमेशा मनमोहन सिंह ने पक्ष लिया है। वे ही 1991 के उदारीकरण के जनक भी माने जाते हA yfdu yxrk gS mUgs jkLrs ls gVkus ds fy, mudh cnukeh dh tk jgh gSA gks ldrk gS jkgqy xka/kh esa cgqr lkjs ,sls x.k gks ftlds ykHk

उनकी पार्टी को मिल सकता हो लेकिन प्रधानमंत्री पद के लिए उनको प्रस्तावित करना देश के लोकतंत्र के लिये खतरा पैदा करना है। अगर इस तरह प्रायोजित तरीके से राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद पर आसीन कर दिये जायेंगे तो वे लोकतंत्र के सबसे बड़े शत्रु cu tk;xA

प्रश्न उठता है कि हम भारतीय मतदाता इस खतरे को टालने के लिये क्या कर सकते हैं\ dkxl ikVh rk ,d pkdMh dh xykeh g ftl ug: गांधी परिवार हमेशा बनाता बिगाडता रहता है। भारतीय जनता पार्टी की संघ परिवार से मुक्ति हो नहीं सकती। विदित हो fd l?k ifjokj dh rk जन्मघुट्टी ही केन्द्रित शासन प्रणाली से शुरू होती है। दलो के रूप में कोई दिखता नहीं। व्यक्तियों के रूप में चार व्यक्ति दिखत g ftue l dkb ,d ;fn vkx c<k;k tk ld rk bl [krj l cpk tk ldrk gA 1- euekgu flg 2- vjfoUn dtjhoky 3- नीतिश कुमार 4- ujUn eknhA ;fn मनमोहन सिंह को दस प्रतिशत भी समर्थन बढ़ जावे तो सोनिया जी ऐसा खतरा न उठाकर मनमोहन सिंह पर ही दांव लगाने को मजबूर हो ldrh हैं। यदि अरविन्द जी और नीतिश जी पर विचार करे तो अभी समय बाकी है। यदि नरेन्द्र मोनh ij fopkj dj rk lokf/kd vklku vkj [krjukd मार्ग है। नरेन्द्र मोदी देश की सभी समस्याओं के समाधान के लिये तो सर्वाधिक उपयुक्त है किन्तु तानाशाही का भी उतना ही खतरा हA leL;kvk के त्वरित समाधान और तानाशाही का चोली दामन का संबंध होता है। यह तk vfUre fodYi gkuk pkfg;A jkgy d ekx e dkV fcNku e मनमोहन सिंह, नीतिश कुमार और अरविUn dtjhoky d chp rk dN lgefr Hkh cu ldrh g fdUr ujUn eknh l bruh l>c> ij lng gh है। अभी उत्तर प्रदेश के चुनाव में अमेठी और रायबरेली ने जिस तjg jkgy vkj mud ikfjokfjd ?keM dk pdukpj fd;k olk gh peRdkj ij Hkkjr dh turk dk pukoh e dj d fn[kkuk pkfg; rHkh Hkkjrh; ykdr= ij fn[k jg jkgy [krj l efDr lHko gA

प्रश्नोत्तर

1 Jh /keUn flg jktiqr] ykcj dkykuh] vdkyk egkjk"V

प्रश्न– vki tSl fu"i{k 0;fDr vUuk gtkj d i{k e >d x;k ;g Bhd ugh gk jgk gA xk/kh th d uke ij xk/kh d foijhr vkpj.k dju वाले अन्ना की आप इतनी प्रशंसा न करें। गांधी जी ने अनशन केवल आत्म शुद्धि के fy; fd;k Fkk] ekx euoku d fy; ughA vUuk rk ekx मनवाने के लिये अनशन का मार्ग अपना रहे हैं।

हमने चोरी डकैती से सुरक्षा के लिये एक पहरेदार रखा। वह ठीक से पहरा नहीं करता। प्रश्न करने पर उत्तर देता है कि मेरा काम Bhd ugh rk nljk igjnkj j[k ykA vkt jktufrd urk Hkh olk gh crdk mRrj n jg gA bldk lek/kku vUuk th ugh [kkt ik jgA vUuk th gokb tgkt l ;k=k djr g ftldk ck> turk ij iMrk gA ej fopkj e tc rd ge Lo; lfd; ugh gkx rc rd nljk d Hkjkl dN ugh gkxkA vkidk D;k fopkj g\

mRrj& यह बात सही है कि गांधी जी ने विपक्ष पर दबाव बनाने के उद्देश्य से अनशन नहीं किया किन्तु गांधी जी ने अपने समर्थकों पर दबाव बनाने के लिये हमेशा अनशन का सहारा लिया। गांधी जी के अनशन अपनी स्वयं की आत्म शुद्धि के लिये कम और समर्थकों की मार्ग शुद्धि के लिये ज्यादा थे। गांधी जी की लड़ाई विदेशी ताकतों की गुलामी से मुक्ति को लक्ष्य बनाकर थी। अन्ना जी की लड़ाई न विदेशियों के खिलाQ g u gh शत्रुओं के खिलाफ। अन्ना जी राजनेताओं या सरकार को अपना मानकर उन पर दबाव के निमित्त अनशन कर jg gA ;fn jktuhfr l tM ykxk की नीयत खराब मान ली जाये तब तो वे हमारे शत्रु होंगे और हम अनशन छोड़कर टकराव का मार्ग पकड़ेंगे अन्यथा यदि वे अपने ही लोग g rk अनशन गांधी जी के मार्ग से विपरीत नहीं। vkidk irk gh gkxk fd vUuk th u vc u;k ekx idM fy;k gA

आवश्यक नहीं कि गांधी की हर बात का अक्षरशः अनुकरण ही गांधी मार्ग है। देश काल परिस्थितियॉ बदलती रहने से आंदोलन के मार्ग भी संशोधित हो सकते हैं। अन्ना जी जहाज से यात्रा करते हैं तो वह पैसा किसी भी रूप में सरकारी टैक्स का नgh g tlk gekj ljdkjh urk करते हैं। उस हवाई जहाज के किराये में या तो आपका पैसा शामिल नहीं होगा या शामिल होगा तो आपकी इच्छा से। मेरे विचार से हवkb ;k=k lc/kh vkifRr vUuk dk pUnk nu okyk d chp l mud le{k gh mBkb tk ldrh gA lekt d le{k यह बात उठाना किसी अनावश्यक मुद्दे से ज्यादा कुछ और नहीं कहा जा सकता। अन्ना हजारे समाज को यही तो संदेश दे रहे हैं कि हम सरकार के भरोसे रहने वाली संवैधानिक 0;oLFkk से मुक्त होकर सत्ता का अकेन्द्रीयकरण होने हेतु सत्ताधीशों को मजबूर करें। आपका l>ko Hkh rk olk gh gA e vkil lger gA

2-Jh jked".k ikjkf.kd mTtSu] e-iz-

प्रश्न– KkurRo nk lk vMrkyhl e

(1) आप अपने शास्त्रीय विवेचन में लिखते हैं ''भ्रष्टाचार कभी अपराध नहीं होता। भ्रष्टाचार व्यक्ति का स्वभाव या चरित्र भी नहीं होrkA Hk"Vkpkj 0;fDr dh etcjh rFkk v0;oLFkk dk lfEeJ.k gkrk g vkj tc og vijk/k g gh ugh rc gekj l?k"k dk lokPp dUn Hk"Vkpkj dl gk ldrk gA^^

dk;k Li"V dj fd vkid vulkj ;g ^lfEeJ.k^ 1- xj dkuuh vkj 2- vufrd e l fdl J.kh e vkrk g\ D;kfd ;g rk vki dh Li"V ?kk"k.kk g fd ^Hk"Vkpkj^ dHkh vijk/k ugh gkrkA

हम जैसे सामान्य पाठकों की दृष्टि में तो जो शिष्टाचार नहीं वह सब आचरण भ्रष्टाचार ही है। भ्रष्टाचार की सही शास्त्रीय परिभाषा D;k g\ mldh jkdFkke dl gk\ vkj Hk"Vkpkfj;k d lkFk dlk 0;ogkj gk\ ;g lc Li"V djuk vki tl fopkjdk dk dke gA dk;k voxr djkoA

¼2½ blh vd d i"V rhu ij vkiu fy[kk g fd ^^jkturkvk dk Hk"Vkpkj rhu uEcj vFkkr vijk/k ekuk tkयेगा और शासकीय depkfj;k dk nk uEcj vFkkr xj dkuuhA^^ dk;k viu io dFku ij iquः fopkj dj fd ^^Hk"Vkpkj dHkh vijk/k ugh gkrkA^^ ge vkid fdl dFku dk lgh ekuA

(3) एक जिज्ञासा यह भी है कि राजनेताओं और शासकीय कर्मचारियों के सिवाय प्रायवेट कम्पनियों और व्यfDrxr Lrj ij D;k dkb Hk"Vkpkj ugh gkrk g\ ;fn gkrk g rk vki ml Hk"Vkpkj dk fdl J.kh e j[kx\ vijk/kj xj dkuuh ;k vufrd\

¼4½ tc ge vkj vki ^0;oLFkk ifjoru^ vFkkr jktuhfrd vkj vkfFkd fodUnh;dj.k] vdUnh;dj.k vkj ykd LojkT; ij fopkj djr g rk ge dkb folxfr fn[kkb ugh nrhA tl k fd i"V 3 ij gh vkiu fy[kk g ^^uh;r Bhd ugh gkxh rc rd uhfr;k Bhd ugh gkxhA uh;r jkturkvk dh Bhd gkxh ughA vr% ,d gh ekx cprk g fd mud vf/kdkj de gk mudk lekt e gLr{ki de gkA^^

¼5½ ^Kku rRo^ e vki d }kjk Jh vUuk gtkj dh Vhe vkj Lokeh jkenoth d vkUnkyuk dh tk leh{kk gkrh jgrh g og ;g ikBdk d chp fopkj eFku d fy, mi;kxh gA lkFk gh ejh ;g Hkh vi{kk g fd iR;d i[kokM e vkid }kjk liUu Hkk"k.k] lk{kRdkj] lid cBdk dk Hkh lf{kr fooj.k Kku rRo e fu;fer :Ik l Nirk jguk mi;kxh gkxkA tl bl vd e i"B 6 ij fn;k x;k /ke vkj link; lc/kh विश्लेषण।

mRrj& eu y[k yEck gkr n[k jkturkvk d Hk"Vkpkj dh iFkd 0;k[;k ugh kh। मुझे खुशी है कि अkiu y[k dk /;ku l i<dj bl विसंगति पर प्रश्न उठाया।

vf/kdkj d nk idkj gkr g ¼1½ Power ¼2½ Right पावर को हिन्दी में शक्ति कहते हैं। जब कोई इकाई अपना अधिकार किसी अन्य dk i;kx dju dk nrh g rk og jkbV nlj 0;fDr dk ikoj cu tkrk gA ftl bdkb u viuk jkbV nljh bdkb dk mi;kx d fy; fn;k vkj og bdkb viu ikoj dk n:i;kx dj rk og n:i;kx vf/kdkj nkrk bdkb d lkFk rk vijk/k gkrk g fdUr vU; bdkb;k d lkFk Hk"Vkpkj ;k xj dkuuhA vf/kdkj nkrk bdkb l ftl vU; bdkb dk mi;kx d fy; vf/kdkj fn; tkr g o vekur gkr g D;kfd mi;kx dju okyk 0;fDr nkrk dh vkj l mi;kx djrk g] viuh vkj l ughA vekur e [k;kur Hk"Vkpkj ugh gkrkA og rk flQ vijk/k gh gkrk gA

lekt ftl bdkb dk iR;{k ernku }kjk puko djrk g mldk Hk"Vkpkj vijk/k gkrk g D;kfd og dk; vekur e [k;kur gA fdUr tk bdkb iR;{k turk }kjk u puh tkdj fdlh vU; }kjk fu;Dr dh tkrh g og turk d le{k vijk/kh ugh D;kfd ml bdkb dk fu;Dr drk dkb vU; gA ge viu fo/kk;d ;k lkIn dk okV nr g vkj lkIn fo/kk;d vU; depkfj;k ;k ef=eMy cukr gA ;fn e=h] i/kkue=h ;k dkb ljdkjh depkjh Hk"Vkpkj dj rk og vijk/k u gkdj xj dkuuh dk; gkrk g ftl ge ckypky dh Hkk"kk e nk uEcj dk dke dgr gA fdUr ;fn gekjk lkIn Hk"Vkpkj dj rk og gekj lkFk /kk[kk djrk g D;kfd ml ikIr vf/kdkj gekjh vekur gA geu ml fu;Dr fd;k g] fdlh vU; u ughA

dYiuk dfj; fd ejk ukdj lkeku cpr le; de rkyrk gA vki ml ukdj l dkb fookn ugh dj ldrA ;fn vkidk ;g tkudkjh g fd de rkyu l ikIr ykHk e ekfyd dk Hkh fgLlk g rk vkidk ukdj l dkb fookn djuk gh ugh pkfg;A vki lc tkur g कि अधिकांश सरकारी कर्मचारी घूस देकर ही नियुक्त होते हैं। ऐसी हालत में भ्रष्ट कौन\ bl fy; ejk ekuuk g fd ljdkjh depkfj;k dk Hk"Vkpkj xj dkuuh g fdUr vijk/k ughA

jkturkvk d chp iR;{k fuokfpr vkj viR;{k fuokfpr d chp vUrj djuk dfBu gku l ge ykxk u lHkh tuifrfuf/k;k dk vijk/kh eku fy;k pkg o iR;{k fuokfpr gk ;k viR;{kA

iR;{k fuokpu e Hkh ernkrk vke rkj ij ilk ydj okV nr gA rk vijk/kh dku\ ernkrk ;k tu ifrfuf/k\ इस प्रश्न का mRrj vHkh vLi"V gA vekur og oLr gkrh g tk ekfyd dHkh Hkh ey Lo:i e okil y ldrk gA ;fn ekfyd ikp o"k rd tuifrfuf/k d विरूद्ध कुछ नहीं कर सकता तो यह स्पष्ट नहीं कि उक्त दुरूपयोग अपराध होगा या गैर कानूनी। क्योंकि आपने अपना वोट निःशर्त नहीं दिया gA bll Hkh cMk ?kiyk ;g g fd ernkrk vkj tuifrfuf/k d chp gku okyk ,xheV :i lfo/kku e lशोधन भी वही इकाई कर सकती है जिसके ikl geu vekur j[kh gA bldk vFk ;g gvk fd vijk/k vkj xj dkuuh ij fopkj dju d io lfo/kku ij li.k vf/kdkj lln dk vFkok lekt vkj lln nkuk dk bl ckr dk Hkh fu.k; gkuk pkfg;A bl rjg ljdkjh depkjh dk Hk"Vkpkj rk u vijk/k gkrk g u vufrdA og rk ek= xj dkuuh gh gkrk gA jkturkvk dk Hk"Vkpkj vijk/k vkj vufrd gkxk ;k ugh ;g fo"k; Hkh fcYdy Li"V ughA vr% ekV :i e eu Hk"Vkpkj dk vijk/k l vyx dj fn;kA

;fn jkbV V fjdky dk dkuu cu tk; rk fuokfpr tu ifrfuf/k;k dk Hk"Vkpkj Li"V :i l vijk/k dg ldr gA tc rd ,lk u gk rc rd vf/kdre futhdj.k gh Hk"Vkpkj e deh dju dk vk/kkj gA राजनेता हमेशा चाहता है कि सरकारी कर्मचारियों से जनता का Hk"Vkpkj d enn ij lh/kk टकराव हो। मैं ऐसे टकराव को अनावश्यक मानता हूँ। यदि अधिकार ही किसी के पास इकट्ठा न हो तो भ्रष्टाचार की lHkkouk Lo; de gk tk;xhA

Hk"Vkpkj 0;fDr dh etcjh rFkk v0;oLFkk dk lfEeJ.k gA dYiuk dfj; fd e> ?kj d nk; rjQ lk dne tkuk g fdUr ekx dkuu l ifrcf/kr gA ;fn e dkuu l pyk rk vk/kk fd-eh- pyuk gA ,d flikgh ikp ikp :i;k ?kl ydj tku n jgk gA fuU;kUuc प्रतिशत लोग पैसा देकर जा रहे हैं। मेरी भी मजबूरी है। मेरे सामने चार विकल्प हैं (1) आधा कि-eh- ?kedj tkm ¼2½ ikp :i;k ndj tkm ¼3½ अन्य काम छोड़कर कानून बदलवाउँ (4) सिपाही को मजबूर करूँ कि वह इमानदार रहे। मैं स्वयं को उन लोगों में शामिल नहीं कर सकता जk nk नम्बर का मार्ग छोड़कर शेष तीन पर मिहनत करें। आपकी जो मर्जी

Hk"Vkpkj rHkh ekuk tk;xk tc fdlh ikoj dk n:i;kx gkA ik;oV dEifu;k ;fn feykoV ;k derky djrh g rk lh/kk vijk/k gA ;fn o ?kl ndj dke djkrh g rk ljdkj d ifr Hk"Vkpkj g lekt d ifr ughA ;fn dEifu;k ljdkjh jV l T;knk ilk yrh g rk

og Hk"Vkpkj g fdUr vijk/k ughA ljdkjh dEifu;k dk dke vke rkj ij Hk"Vkpkj dh J.kh e rc rd ugh vkrk tc rd dkb dkuu u VVA

vkid vU; l>kok ij Hkh fopkj djd ikyu dju dk i;kl djxA

3 नरेन्द्रसिंह जी, बनवोई बुलंदशहर, उ-i:-

प्रश्न– e Kku rRo d 250o vd d likndh; y[k e 0;fDr] ifjokj] lekt d lEcU/k d fo"k; e vkid }kjk dh x;h fVIi.kh l lger gA आपने समाज के भारतीय स्वरूप का बहुत ही संतुलित विश्लेषण किया है। दुनिया भर में, समाज में स्त्री और पुरूष के सम्बन्धों के विष; e tc Hkh ftd gोता है तो भारतीय दर्शन, मानवता के सृजन के कारक इन दोनों स्वरूपो की अवस्था को प्राकृतिक रूप से स्पष्ट कर देता है कि स्त्री और i:"k nk ox ugh gA vkj tc nfu;k dh vU; fopkj /kkjk, bl fo"k; ij fopkj djrh g rk o L=h vkj i:"k dk nk oxk e ckV nrh g] जहॉ अपने–अपने अस्तित्व को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिये संघर्ष होता है। जहॉ अवसरवाद है, विश्वास की कमी और भय है। ऐसी सभी विचkj /kkjk; lekt dk detkj djrh gA

आपका परम्पराओं को विश्लेषित करने का तरीका भी प्रभावित करता है। क्याकि ऐसे विश्लेषण मन में नये दृष्टिकोण mRiUu djr g] ftul ;FkkFk d fl)kUrk dk Li"Vrk l ifjHkkf"kr dju e cgr enn feyrh gA bfrgkl d uk;dk }kjk dh tku okyh xyfr;k dk Hkh ;g y[k cgr rd lxr <x l iLrr djrk gA ;g /ke d x.k i/kku Lo:i dk Hkh 0;k[;kf;r dju d fy, eu dk vknkfyr djrk gA ej fopkj l ,l ck/k y[k lkfgR; dh /kjkgj gkr gA D;kfd e> ;g yxrk g fd y[k lekt d lkeu j[kk gvk ni.k g tk ml mldh okLrfod gku l ifjfpr djk nrk gA ejk ekuuk g fd ,l fopkjk dk vkj Hkh 0;kid ipkj&ilkj gkuk gh pkfg,A

vkiu dgk g fd enk LQhfr dh nj c<u dk lkekU; tu d thou ij dkb iHkko ugh iMrkA e vkid bl dFku dh lehkk pkgrk gA vkiu fy[kk fd ftruh Hkh enk LQhfr dh nj c<xh mruk gh enk dk voeY;u gkxkA vkj enk voeY;u gku ij ftl 0;fDr d ikl ftruk Hkh de uxn ilk gkxk og mruk gh enk LQhfr d iHkko l eDr jgxkA yfdu dkb Hkh lkekU; 0;fDr tk doy deku vkj [kku ¼ gM V ekmFk ½ rd lhfer gkrk g] ml ij enk LQhfr dी दर बढने से होने वाले मुद्रा अवमूल्यन का प्रभाव इसलिए अवश्य पड़ेगा कि आपके ही कहने के अनुसार गरीब, ग्रामीण, किसानों एवं श्रमजीवियों की आय उस प्रतिशत से नही बढ़ रही है जो उन्हें मुद्रा स्फीति से हku oky udlku l cpk ldA mUg vkfFkd dUnh;dj.k d dkj.k mRiUu gku okyh dfBukb;k o vkfFkd vlekurk l l?k"k d fy, r;kj j[k ldA

ej fopkj l ;g dg nuk ljy g fd enk LQhfr dk lkekU; 0;fDr d thou ij dkb iHkko ugh iMrkA yfdu D;k ge ;g ifjdYiuk Hkh dj ldr g fd og lkekU; 0;fDr tk vार्थिक रूप से कमजोर है और जो मुश्किल से अपनh thfodk tVk ikrk g] enk LQhfr vkj enk voeY;u mld xtkj dk xf.kr jkt ugh fcxkMrh\ D;kfd cktkj e og fdlh oLr dk eY; rk D;k] viu Je dk eY; Hkh r; ugh dj ikrk gA bl fo"k; e ejk fopkj ;g g fd lekt e enk LQhfr dk c<uk ml le; rd ?kkrd g tc rd bld fupy Lrj d ikl thfodk tVku d i;klr lk/ku ugh gA

dlk;k fo"k; ij fVIi.kh djA

mRrj& eu fy[kk g fd enk LQhfr dk vFk gkrk g uxn :lkये की कय शक्ति का घटना। मानव श्रe eY;] ckf)d {kerk eY;] tehu] edku] vukt] nok vkfn d eY;k ij enk LQhfr dk dkb iHkko ugh gkrkA ;fn vkid ikl xjhc gku d dkj.k flQ Je gh g rk vkidk mDr Je d cny u dy de lkeku feyxk u ,d o"k ckn vkj u gh nl o"k cknA ;fn Je dk eY; okLro e ?kVrk rk Je i/kku ykxk dk thou Lrj fxjrkA fdUr Je i/kku ykx cfYd Hkh[k ekxu okyk rd dk thou Lrj l/kjk gA ;g ,dne >B g fd xjhc dk thou Lrj ugh l/kjkA ikp o"k io ljdkj u ujxk dh nfud etnjh lkB :lk;k r; dh FkhA vkt ,d lk rhl l ,d lk pkyhl gA ikp o"k e enk LQhfr nk xuh l de c<h gA lPpkb ;g g fd e/; ox viuh vk; rk c<krk g fdUr oLr, ml ijku eY; ij pkfg;A dkb xjhc enk LQhfr dk jkuk ugh gkrkA ;g rk Hkj iV dh pYykgV gA

vki fdlh Hkh o"k की किसी भी एक आवश्यक उपभोक्ता वस्तु का आकलन करिये। आपको स्पष्ट होगा कि आज श्रम के बदल वह वस्तु T;knk gh miyC/k gA fdlku cpkjk jkt fpYyk jgk g fd Je eY; dh ryuk e vukt lLrk gvk gA fdlkuk d dFku e lPpkb gA leL;k enk LQhfr ugh gA leL;k g vkfFkd vlekurkA Je dk eY; ml xfr l ugh c<k ftl xfr l cf) dkA /ku dh vk; tMdj rk vUrj कई गुना बढ़ जाता है। चालाक लोग गरीबों का ध्यान हटाने के लिये मंहगाई का हल्ला मचाते हैं। आप पाठक इस मुद्दे पर और प्रश्न करि;A vki ;g Hkh crkb; fd ;fn ge ,d सौ रूपये के नोट को एक नया रूपया कहना लिखना मानना शुरू कर दें तो क्या सस्ती आ जायेगी\ ej fopkj l rk okLro e dkb iHkko ugh iMxkA vr% enk LQhfr ij xHkhj fopkj eFku djuk pkfg;A

4 Jh ,e- ,l- flxyk] vtej] jktLFkku

i'u&e vkid lkFk i=kpkj d ek/;e l yEc le; rd tMk jgk gA 0;oLFkk ifjoru e vkiका भ्रान्त विश्वास सन् 2005 तक के लिए हुआ tk c<dj 2009 gk x;k vkj fQj------A vkid fl)kUr gh vPN jg gA mudk dkb 0;kogkfjd ifj.kke n[ku e ugh vk;kA lEHko g fd dN jkekutxt e आदर्श क्षेत्र बने हों जिन्हें विदेशियों ने भी देख कर सराहा हो किन्तु मेरा धैर्य जवाब दे गया। मुझे देश में केवल स्वतंत्र पार्टी d v/;{k Mk- सुब्रह्मण्यस्वामी की कार्यशैली ही जंची, जो एक–एक समस्या को लेकर न्यायपालिका के माध्यम से अंजाम देते हैं। अपने देश क ckj e ejh /kkj.kk bu fcUnvk e lekfgr g ftudk dkb mik; fn[kkb ugh nrk&

d- देश की कानून–व्यवस्था अपराधियों के हित में अधिक है। इस विषय में एक एसएमएस उद्धृत है–'हम अपनी निकम्मी सरकार से यह कभी नहीं dgx fd dlkc dk Qkalh nk yfdu ;g t:j pkgx fd mldh tlh lj{kk lcdk nh tk;A^

[k- इस देश में राष्ट्रपति को सत्ता सुख मृत्युदण्ड को कारावास में बदलने के लिये है।

x- देश का मुख्य चुनाव आयुक्त (कुरैशी) तक हैरान है कि जेल में बन्द व्यक्ति चुनाव तो लड़ सकता है, वोट नहीं दे सकता।

?k- जिस देश की कठपुतली सरकार की डोर विदेशी हाथों में हो उसका क्या उपाय है और उससे क्या आशा की जाये।

p- जहां शासन अपराधियों से भरा हो और आज तक किसी अपराधी को दण्ड न मिला हो। अब तो अपने ग्रन्थों/शास्त्रों आस्था के फलस्वरूlk cfYd vorkj dh irh{kk gA vHkh rk dfy;x d 5200 o"k gh chr gA

vf/kd foLrkj e tkuk 0;Fk gA ek= nk Hkkouk, 0;Dr djuk pkgxk fd vki अपने उद्देश्य म lQy gk vkj pkgrk g fd vki l)kfUrdrk l fudy dj 0;kogkfjd {k= e mrjA

mRrj& eu Lo; dk fopkj eFku rd lhमित रखा है। मैंने कभी भी किया में उतरने की योजना नहीं बनाई। आप लगातार कियाशील रहे। यदि dkb ifj.kke ugh fn[kk rk nk"k ejk ugh D;kfd eu rk fd;k dh gh ughA ;fn ejh lykg vuljk dN ykxk u jkekutxt {k= e Hkh dN आदर्श क्षेत्र बनाया है तो वे तो उनकी अपेक्षा ज्यादा प्रशंसनीय हैं जिन्होंने केवल बातें की किन्तु कुछ किया नहीं। सुब्रमन्यम स्वामी जी भी अपने साथkh gh gA dN ennk ij ej mud fopkj ,d g rk dN e vyxA eu ,d Vh oh dk vLirky [kkyk g vkj Lokeh th u dlj dkA vki ejh t g डा० नही । जो लोग व्यवस्था परिवर्तन चाहते है वे रामानुजगंज मे या अन्य स्थानो पर हमारे मार्ग दर्शन मे सक्रिय है। आप स्वामी जी के dkuuh संघर्ष प्रशंसक हैं। मुझे इसमे कोई आपत्ति नही दिखती । मरीज के लिये उचित नही कि वह दूसरी बीमारी के अस्पताल पर गंभhj fVli.kh djA

e tkurk g fd vki viu ij thou e cgr lfd; jg gA jkekutxt e mru vPN ifj.kke ugh vk; tlh vkidk mEehn FkhA ej fopkj l jkekutxt e tk ifj.kke vk; o Hky gh vkidh vi{kk l de gk fdUr ij Hkkjr e ,d mnkgj.k d :lk e gA vU; db xuk T;knk lfd; lLFkkvk l Hkh T;knk vPNA e rk i.kr% lr"V gA vkiu d l p rd dN leL;k,l fy[kh gA ,lh leL;kvk dh yEch lph ej ikl gA vki tl xHkhj 0;fDr l e lek/kku dh ppk dh mEehn djrk g] leL;kvk dh lph dh ughA

आपका अन्तिम वाक्य बहुत ही निराशा भरा है। मैंने पहले भी एक दो बार आपको कहा था और फिर कहता हूँ कि बिना विचार किये यहॉ वहॉ ज्यादा दौड़ भाग करने वाले जल्दी ही थक कर निराश हो जाते हैं। आप लगातार बम पिस्तौल कh gh ppk djr jgA vkiu dHkh vfglk dh ताकत को नहीं समझा। आपने लगातार हमारे अहिंसक मार्ग की खिल्ली उड़ाई। आज आप हिंसा के परिणाम से निराश हैं और मैं अहिंसक mkx l आशान्वित। आपसे अब भी मेरा निवेदन है कि किया के पूर्व विचार मंथन की आदत डालिये।

5 श्री भोगीलाल जी, देवास, मध्यप्रदेश

प्रश्न– vUuk th rFkk jkeno th d vknkyu ij viuh jk; nA

mRrj& मैं रामदेव जी के विषय में कुछ नहीं कहता किन्तु अन्ना जी के प्रति मैं आश्वस्त हूँ कि वे देर सबेर अवश्य ही वह दिशा पकड़ेंगे जैसा vki lkp jg gA tYnh gh मार्ग निकलेगा। संसदीय लोकतंत्र की तानाशाही से मुक्ति मिलनी असंभव नहीं है। संसदीय लोकतंत्र को सहभागी लोकतंत्र की दिशा देना ही विकल्प है और अन्ना जी का आंदोलन उस दिशा में बढ़ रहा है। यदि किसी कारण से सफल नहीं भी हुआ तो लोक स्वराज्य ep rk viuh yMkb tkjh j[kxk ghA अन्ना जी ने यह घोषणा की है कि वे चुनावो के माध्यम से ही व्यवस्था परिवर्तन की दिशा मे बढेगे। उन्होने कहा है fd ;fn oreku lln rhu ckr dj nrh g&¼1½ jkbV V fjdky] jkbV V fjtDV ¼2½ xke lHkkvk dk fo/kk;h vf/kdkj ¼3½ tu ykdiky A ;fn bतना हो जायगा तो हम अपना काम रोक देंगे। मेरे विचार मे उनकी दिशा स्पष्ट है। रामदेव जी क्या करेंगे ये मुझे पता नही।

6 Jh jked".k ikjkf.kd] mTtu e-i-

प्रश्न– Kku rRo nk lk mUpkl e vkiu fy[kk fd 1- ^^fgUn lLdfr e /ke 0;oLFkk dk vx ughA^^ dlk;k /;ku n bl okD; e pkj egRoi.k शब्द आये हैं :– हिन्दू, संस्कृति, धर्म और व्यवस्था। किन्तु यहॉ आपने यह स्पष्ट नहीं किया कि इन चारों शब्दों से आपका आशय व;k g\ lkekU;r;k lLdfr vkj /ke mlh idkj fey tydj mi;kxh gkr g tl ekuo }kjk viu nkuk ijk }kjk pyu dk dk; liUu djukA ,d iko l pyuk lHko ugh gkrkA le>u vkj ekuu ;kX; ckr ;gh g fd lLdfr vkj /ke d ikjLifjd lg;kx l gh 0;fDrxr thou] ifjokj] समुदाय, समाज व राज्य में व्यवस्था आती है। यह सार्वकालिक और सार्वदैशिक सत्य g fd ^/ke dk ikyu dju oky dh /ke j{kk djrk gA^ /ke और व्यवस्था तो समविचारी शब्द हैं। स्वधर्म, कुलधर्म, लोकधर्म, समाजधर्म, राज्यधर्म (यहॉ तक कि गठबंधन धर्म) राष्ट्रधर्म, वैश्विd /ke vkfn /ke d lHkh :lk 0;oLFkk lpd gh gA rk fQj ge ;g dl Lohdkj dj fd /ke 0;oLFkk dk vx ugh g\ dlk;k Li"V djA

2- i"B 2 ij vkiu fy[kk g& lekt 0;oLFkk }kjk 0;fDr vkj ifjokj dh lhekvk dk mYy?ku djd viuk gLr{ki c<k;k bl dkj.k tkfrokn] शोषण, धार्मिक कट्टरता, अन्ध विश्वास, पुरूष प्रधानता आदि विकृतिया समाज सशक्तिकरण की देन रही हैं।'' कृपया अपने इस कथन पर पुनर्विचार करें। समाज में उपरोक्त विकृतियां समाज सशक्तिकरण से नहीं आई वरन् राज्य द्वारा निरन्तर–निरन्तर व्यक्ति के जीवन, परिवार और सम्पूर्ण lkekftd thou e vuf/kdr :lk l n[ky nu d dkj.k vkb gA जैसा कि आप हमेशा लिखते रहे हैं, लोक स्वराज्य अभियान का आधार ही समाज सशक्तिकरण और राज्य de tkjh dj.k gA fQj mijkDr folxfr i.k ckr vkiu D;k dj fy[kh g\ dlk;k fLFkfr Li"V djA

3- i"B 2 ij vkiu fy[kk g ^^vEcMdj bLyke dk fgUnRo dh vi{kk ज्यादा अच्छा समझते थे।'' तो प्रश्न उठता है, उन्होंने हिन्दुत्व त्यागकर bLyke ¼/ke½ Lohdkj D;k ugh fd;k\ mUgku fgUnRo d gh ,d nlj Lo:lk ck) /ke dk D;k Lohdkj fd;k\

4- i"B 8 ij vkiu fy[kk g ^^lkE;okn] lektokn] dk [krjk rk yxHkx Vy x;k g fdUr i thokn Hkh dkbl lek/kku ugh gA vc i thokn d [krjukd ekx l Hkh fudyu dk ekx [kktuk gA -------- आगामी सितम्बर में रामानुजगंज में जो शिविर संपन्न होगा वह समाधान प्रस्तुत करने का i;kl djxkA^^ vkidh ;g fVli.kh lLi"V vkj okLrfod gA i thokn d [krjukd ekx l cpu dk mfpr jktekx egkRek xk/kh] Mk- ykfg;k] i- nhun;ky mik/;k; vkj ykduk;d t-ih- जैसे मनीषी बता भी गये हैं आवश्यकता है उस राजमार्ग को समझने और व्यवहार में लाने की। इस lc/k e gekj l/kh ikBdk e chp fopkj eFku gk bl gr ejk ,d NkVk lk vky[k lyXu dj if"kr gA lHko gk rk Kku rRo d fdlh vkxkeh vd e LFkku nuk mfpr gkxkA

mRrj& धर्म, संस्कृति और व्यवस्था शब्दों के सर्वमान्य अर्थ का अभाव इन शब्दों की अलग अलग व्याख्या के अवसर प्रदान करता है। मैंने भी राष्V धर्म और समाज के अर्थों की घालमेल पर खोजना शुरू किया तो नतीजा शून्य था। जब मैंने सोचना शुरू किया तो नतीजा अच्छा था। mlh rjg eu धर्म और संस्कृति पर भी कुछ सोचा तो महसूस हुआ कि समय समय पर इन शब्दों के अर्थ स्वार्थ वश बदले गये। मेरी मजबूरी Fkh fd e ,frgkfld txy e HkVdu dh vi{kk fopkj eFku }kjk bud lnHk [kktA e> yxk fd ;g vklku gA vr% e bl ekx pykA gk ldrk g fd bud vFk dN fHkUu gkA ,lk gvk rk e l/kkj yxkA

ej fopkj e 0;fDr fcuk dN fopkj fd; gh fdlh dk; dk ckj ckj dju yxrk g rk og dk; mldh vknr cu tkrk gA ,lh आदत लम्बे समय तक टिक जाये तो उस व्यक्ति का संस्कार कहा जाने लगता है। ऐसे संस्कार किसी भूभाग के अधिकांश 0;fDr;k e ihf<;k rd pyr jg rk og mDr HkHkkx dh lLdfr d :Ik e eku yh tkrh है। संस्कृति देश काल परिस्थिति अनुसार बदलती रहती है किन्तु यह बदलाव cgr /khj /khj Li"V gkrk gA

/ke vkj 0;OLFkk le fopkjh 'kCn ugh g D;kfd /ke drO; rd lhfer g tcfd 0;oLFkk fdlh vf/kdkj ikIr bdkb }kjk gh gk ldrh gA /ke dkb vf/kdkj ikIr bdkb ugh gA vf/kdkj ikIr bdkb rk ;k rk ifjokj vkj lekt g vFkok jkT;A /ke rk flQ fdlh vU; d ifr fd; tku oky fu%LokFk dk; rd gh lhfer gA /ke flQ ,d i{kh; drO; rd gh gA /ke d uke ij lxfBr leg lEink; ;k lxBu rk gk ldr g fdUr /ke ughA /ke x.kokpd fd;k gA /ke dk dkb Hkkfrd Lo:i ugh gA ,lh fLFkfr e /ke fdlh vU; dk 0;oLFkk ugh n ldrkA ;fn ge /ke dk 0;oLFkk d lkFk tkMx rk og mldk bLykfed vFk rk gk ldrk g fdUr fgUn ekU;rk e ugh gk ldrkA bLyke e rk lekt vyx gkrk ughA ogk /ke gh lekt gA Hkkjr e /ke vkj lekt fcYdy fHkUu fHkUu gkr gA bl rjg ;fn ge /ke dk lxBu d :Ik e eku rc rk /ke dk 0;oLFkk dk vx eku ldr g vU;Fkk ughA

e Li"V dr दूँ कि इन शब्दों की चर्चा विचारार्थ है, न कि अन्तिम। आपके अनुसार जातिवाद, शोषण, धार्मिक कट्टरता, अन्ध विश्वास, पुरूष प्रधानता आदि विकृतियां राज्य द्वारा समाज को कमजोर करके अपना हस्तक्षेप बढ़ाने का परिणाम है न कि समाज द्वारा व्यक्ति अkj ifjokj d vf/kdkjk में अतिक्रमण का जैसा मैंने लिखा है। विचारणीय है कि जातिवाद, शोषण, धार्मिक कट्टरता, पुरूष प्रधानता, आदि विकृतियॉ समाज में अंग्रेजों के पूर्व आई या बाद में। अंग्रेजों ने समाज व्यवस्था के प्रभाव में हस्तक्षेप करना शुरू किया। मैं मानता हूॅ कि oreku le; e jkT; 0;oLFkk u lekt 0;oLFkk dk rkM rkM dj viuh 0;oLFkk ,lh cuk yh g tl og lekt gk fdUr lkekftd fodfr;k bld io fo|eku Fkh ftue ub jkT; 0;oLFkk d ckn deh vkb gA e ;g Hkh ekurk g fd oreku jktufrd 0;oLFkk u fiNyh lkekftd fodfr;k dk de dju d uke ij vkj Hkh T;knk dN vU; leL;k, c<k nhA fdUr ;g rk lp g fd lekt u 0;fDr vkj ifjokj 0;oLFkk dk detkj djd viuk हस्तक्षेप बढ़ाया। विवाह या तो व्यक्तिगत स्वतंत्रता थी या पारिवारिक व्यवस्था। समाज ने अनावश्यक रूप से विवाह lc/kh dBkj fu;e Fkki fn;A lger lDl ij gYdk ifrc/k gkuk rk mfpr Fkk D;kfd bl ijh NV ifjokj 0;oLFkk dk detkj djrk g fdUr ml ij bruk dBkj ifrc/k Bhd ugh FkkA tUeuk tkfr ;k tUeuk o.k 0;oLFkk xyr gkr g, Hkh lekt u tcjnLrh FkkihA fo/kok fookg lekt u jkdkA vkt Hkh lekt व्यवस्था के नाम पर सामाजिक पंचायतें व्यक्ति या परिवार के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप बढ़ाने के लिये प्रयत्न शील हैं। यदि एक लड़का vkj ,d yMdh ngt y ndj fookg djr g rk ;g mudh Lor=rk gA lekt Hkh ml ij dkuu Fkkirk g vkj jkT; HkhA lekt dHkh fdlh 0;fDr ;k ifjokj dk n.M ugh n ldrkA og rk cfg"dkj rd gh lhfer gA ljdkj lekt l cfg"dkj rd dk vf/kdkj Nhuuk pkgrh g rk lekt jkT; l n.M nu rd dk vf/kdkj yuk pkgrk g tcfd ,l vud vf/kdkj ;k rk 0;fDr d g ;k ifjokj dA u o lekt d g u jkT; dA

vEcMdj th ikjHk e elyeku gh cuuk pkgr Fk fdUr xk/kh th u mUg elyeku cuu l jkdkA QyLo:Ik o :d x;A ;g ckr e> ifl) fo}ku dynhi u;j th u crkb tk eu fy[kh gA lHko g fd vEcMdj th dk elyeku cuu e mruk jktufrd YkkHk u fn[kk gk ftruk ck) cuu e A

e i thokn dk vPNh 0;oLFkk ugh ekurkA fQj Hkh i thokn d nk"kk ij ppk dju l blfy; cprk g D;kfd lektokn rFkk lkE;okn u i thokn rFkk vefjdk d fo:) okrkoj.k बना कर स्वयं लाभ उठाने का अभियान चला रखा है। इस्लामिक शक्तियों ने तो समाजवादी साम्यवादी ताकतों से समझौता कर लिया है। भारत की राष्ट्रवादी शक्तियॉ अपने राजनैतिक स्वार्थ के कारण पूंजीवाद, या अमेरिका की आykpuk e lfd; gA i thokn Hkkjr e opkfjd ekx l u vkdj pkjh pkjh vk jgk g] ftl iR;{k :Ik l lkE;okn lektokn l l?k"k djuk iM jgk gA किसी में यह हिम्मत नहीं दिखती कि वह खुलकर पूंजीवाद या अमेरिका के पक्ष में अपनी आन्तरिक मान्यता भी स्पष्ट कर सके। अभी बड़ी मुश्dy l Mjr Mjr i=dkj rFkk fo[;kr y[kd oh-th- oxhl u bl lc/k e ,d y[k fy[kk g vU;Fkk rk dkb fgEer gh ugh dj ikrk gA eu Li"V jguk Bhd le>kA ;gh le> dj eu fy[kk gA flrEcj e vkj ppk gkxhA vkidk l>ko vxy vd e tk;xkA

7 श्री जोगिन्दर सिंह, पूर्व निदेशक सी-ch- vkbZA i|tkc d|lj.h l|

fopkj& Hkkjr ,d ;k nlj :Ik e Lor=rk ikflr d le; l gh vkrdokn l ihfMr gA bldk vf/kdrj fgLlk ikfdLrku }kjk Hkkjr dk uhpk fn[kku dh egRokdk{kk dk ifj.kke g] tlk fd 1947 l ydj vc rd d 4 ;)k l fl) gkrk gA okLro e okV cd dh jktuhfr d pyr Hkkjr e vkrdokn d fo:) dkbZ dkuu g gh ughA ;gk rd fd 13@12@2001 dk [kn lln ij vkrdh geyk gku d ckotn ^vkrdokn ,o fo/ol xfrfof/k fujk/kd vf/kfu;e^ dh gh lcl igy cfy yh xbA

26@11 d eEcbZ vkrdh gey d ckn ljdkj dk ;g vkHkkl gvk fd Hky&Hky;k Hkjh i.kkyh vkj detkj vFkok dkbZ Hkh dkuu u gku d dkj.k vkrdokn dh pukrh l yMuk lHko ughA [kn dh ckr g fd vc rk dN le; l ljdkj dh og f?klh&fiVh rkrk jVr dok;n Hkh cn gk xb g कि वह आतंकवादियों के साथ कड़ाई से पेश आएगी। भारत के विरूद्ध आतंकी कार्रवाइयों की सूची तो बहुत लम्बी है yfdu bu vijkf/k;k dh ltk nu d mnkgj.k cgr gh deA ;fn vnkyr fdlh dk ltk nrh Hkh g rk ljdkj gj i;kl dk BM cLr e Mky nrh g vkj cgkuk cuk;k tkrk g fd ^^n;k ;kfpdk fopkjk/khu gA^^

जम्मू–कश्मीर पुलिस की 2003 में प्रकाशित स्मारिका में आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई की लागत का जो ब्यौरा दिया गया था उस पर nf"Vikr djuk ;gk cgr gh iklfxd gkxkA ble crk;k x;k Fkk fd tuojh 1990 l fnlEcj 2002 rd fglk dh 56]041 okjnkr gb] ftue l 10]093 ce foLQkV] 29]931 vkxtuh] 5]561 yVikV] 763 jkdV gey] 4]597 vigj.k] 229 ekey Qnk yxkdj gR;k dju d] 275 ekey gfFk;kj Nhuu d ,o 4]592 QVdj ?kVuk, FkhA

vkrdokn ,d vदृश्य दुश्मन है। इसके विरूद्ध न तो भारी सेना से लड़ा जा सकता है और न ही भारी शास्त्रगार से। भारत व nfu;k e vU; lHkh LFkkuk ij vkrdh gey 10 l de ykxk d legk }kjk g, gA jktuhfrKk }kjk viu gyo&eM d fy, jktuhfrd [ky [kyu] ikfV;k cnलने, नए गठबंधन साथी तलाश करने या अपने परिजनों व रिश्तेदारों को चुनाव में टिकट दिलाने पर किसी को कोई एतराज नहीं, दुनिया भर में नेता लोग यही काम करते हैं लेकिन जब यह खेल राष्ट्रीय हितों का सौदा करने या देश की सम्प्रभुता दाव पर लगाने की gn rd c< tkrk g rk og gekj fy, lpr gku o dN Bkl dkjokbZ dju dk ldr gkrk gA

आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई के रास्ते में सबसे बड़ी समस्या यह है कि सुख–सुविधाओं का उपभोग करते हुए शेखचिल्ली जैसी हेकड़ी gkdu oky fl)krdkj] ekuokf/kdkj okfn;ksa और कोमल–हृदय वाले दयावानों की बहुत भरमार है। एयरकंडीशनरों की ठंडी हवा के झोंकों से मदमस्त ये लोग हर रोज पुलिस के हाथों मारे जाने वाले आतंकियों के लिए आंसू बहाते हैं। ये लोग खुद तो शायद कभी घटनास्थy d ikl Hkh ugh QVdr yfdu ifyl edkcyk dk >Bk fl) dju d fy, [kc fl)kr x< yr gA bl rjg >B vkj iip d fo:) fdlh ltk dk iko/kku rk g ughA

लेकिन हमारे देश का दुर्भाग्य है कि सरकार भी ऐसे दंगियों और पाखंडियों की बातें सुनना व उन पर विश्वास करना अपना ey vf/kdkj समझ रही है। आम आदमी की व्यथा सुनना शायद सरकार के मूल अधिकारों का अंग नहीं।

हर देश और व्यक्ति की जिंदगी में एक न एक दिन ऐसा आता है जब उसे दो टूक फैसला लेने की जरूरत होती है। ऐसे फैसले लेने e foyEc dh cgr Hkkjh dher vnk करनी पड़ती है। 1947 में भारतीय स्वतंत्रता विधेयक का जोरदार विरोध करते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल ने कहा था, ''राजशक्ति बदमाशों, उचक्कों, नौसरबाजों के हाथ आ जाएगी। भारतीय नेता तो घासफूस के पुतलों से अधिक दम वाले नहीं gkxA o tcku d ehB vkj vnj l c) gkxA o dlh d fy, vkil e yMx vkj Hkkjr jktuhfrd vrdyg e my> dj jg tk,xkA ,d fnu ,lk vk,xk tc Hkkjr d ; urk gok vkj ikuh ij Hkh VDl yxk nxA^^

D;k geu pfpy dk lgh fl) dju e dkb dkj dlj ckdh jgu nh g\ gekjh dfBukb;k doy blfy, fodjky fn[kkbZ n jgh g fd ge nk Vd Qlyk yu dh tjr ugh djrA

leh{kk& आपने मानवाधिकार के नाम पर पेशेवर सिद्धान्त कारों पर ठीक टिप्पणी की है। यदि इस लेख में स्वामी अग्निवेष, दिग्विजय सिंह, अरून्धती jk; lj.h[kk का नाम भी जुड़ जाता तो बहुत अच्छा होता। ये लोग तो आतंकवादियों के पक्ष में हमेशा ही तैयार दिखते हैं। मैं टीवी में एक cgl lu jgk FkkA cgl dk fo"k; fcYdy fHkUu Fkk fdUr viokuUn th u tcjnLrh fouk;d lu d i{k e fVIi.kh dhA e> ;kn g fd tc lln ij vkde.k d vkjkih ikQlj fxykuh U;k;ky; l nk"k eDr g, rk xk/khokfn;k rd u mudk olk gh lEeku fd;k Fkk tlk xk/kh हत्या केश से NVu ij dgjokn fgUn lxBuk u ohj lkojdj dk fd;k FkkA ol rk lkojdj vkj fxykuh dh dkb ryuk ugh gk ldrhA lkojdj dk ekx गलत माना गया था उद्देश्य नही जबकि प्रोफेसर गीलानी का लक्ष्य भी गलत माना गया था और मार्ग भी। दोनों न्यायालय से निर्दोष छूट FkA uDlyokn ijh rjg mxokn g tk yxkrkj vkrdokn dh ykbu ij c< jgk gA

gekj jktufrd ny Hkh vkrdokn d ekey e fcYdy gh xj ftEenkj gA vVy th d dky e vkrdokn dh jkdFkke d लिये जो कानून बनाया गया था उस कानून को कांग्रेस सरकार ने सिर्फ इसीलिये हटा लिया कि इसके हटने से मुसलमान भी खुश होंगे औj lkE;oknh HkhA ckn e tc dkxl ikVh u lkE; okfn;k l NVdkjk ikdj fdlh l[r dkuu dh t:jr egll dh rk Hkk-t-ik- u ,l dkuu dk ikl gku l jkd fn;k vkj ,l volj ij Hkk- t-ik- vkj lkE;oknh ,d lkFk fn[ku yxA Hkk-t-ik- dk ekuuk Fkk fd ,lk dkuu vku l आतंकवाद पर अंकुश लग सकता है जो भाजपा के सत्ता शीन होने में बाधक होगा। इस तरह भारत का आतंकवाद राजनैतिक दलों की रस्साकसी तथा पेशेवर मानवाधिकारियों के कारण फल फूल रहा है। मैं आपसे सहमत हूँ कि आतंकवाद के विरूद्ध दो टूक फैसला लेना ही होगा।

कार्यालयीन प्रश्नोत्तर

1-**प्रश्न**– ज्ञान तत्व दो सौ पचास में आपने व्यक्ति द्वारा परिवार के प्रति सम्पूर्ण समर्पण की आवश्यकता बताई है। यदि परिवार के किसी सदस्य की chekjh ;k ldV dky e ifjokj lkFk u n rk 0;fDr D;k dj\ vki ;g Hkh Li"V dj fd Hkkjrh; lkekftd 0;oLFkk e ifjokj 0;oLFkk d e:n.M gkr g, Hkh ml lo/kkfud ekU;rk u ikIr gkuk lfo/kku fuekrkvk dk "kM;= Fkk ;k HkyA ;fn "kM;= Fkk rk jktufrd vFkok ekufld dBk\

mRrj& पहली बात तो यह है कि आम तौर पर ऐसा होता नहीं और अपवादों के लिये कोई विशेष व्यवस्था बनाना उचित ughA nljh ckr ;g Hkh g fd 0;fDr d lkekftd lo/kkfud vf/kdkj gh ifjokj e lekfgr gkr g] ekfyd vf/kdkj ughA ekfyd vf/kdkj 0;fDr d viu ikl gh ljf{kr jgr g thou HkjA og pkg rk ifjokj NkMdj ,l vijk/kh dk n.M fnyok ldrk g ft lu ifjokj e jgr g, mld ekfyd vf/kdkjk dk guu fd;kA ;g ckr vki rc T;knk vkIkuh l le> ldr g tc vkiu ekfyd] lo/kkfud vkj lkekftd vf/kdkjk dk vUrj le> fy;k gkA rhljh ckr ;g g fd ;fn ifjokj vkj lekt vkidh ckr ugh lurk rk ljdkj dh 0;oLFkk bu nkuk l T;knk v0;ofLFkr gA सरकार के कानूनों में समाज की अपेक्षा अन्याय की गुंजाइश ज्यादा होती है। अतः परिवार में रहते हुए परिवार के प्रति पूर्ण समर्पण अचNh 0;oLFkk g] xyr ughA dN viokn gkr gA buij lekt e vkj T;knk fopkj dju dh t:jr g u fd ljdkj d fdlh gLr{ki d vke=.k dhA

lfo/kku fuek.k e ug: th rFkk vEcMdj th dh nknkfxjh u vU; fopkjk dk detkj fd;kA ; nkuk vU; fopkjk dk ;u du प्रकारेण दबा देते थे। ये दोनों पश्चिम के प्रभाव में थे जहॉ न परिवार को संवैधानिक मान्यता है न ही समाज को। आज भी भारतीय शासन व्यवस्था ij bu nk dk gh opLo gA lfo/kku fuekrkvk u fdlh "kM;= d vUrxr ,lk fd;k gk ,lk dkb vk/kkj ugh fn[krkA ml le; की देश काल ifjfLFkfr vulkj lfo/kku fuekrk ug: vEcMdj d le{k >d x; bl Hky gh dguk mfpr gkxkA ;fn ug: vEcMdj tkMh u Hkh dkb "kM;= fd;k gk] tlk Li"V ugh g rk Hkh T;knk lHkkouk ;gh g fd ug: th dh lkp jktufrd jgh gkxh vkj vEcMdj th dh ekufld dBk\

2-**प्रश्न**– vkiu vd nk lk ipkl e Li"V fy[kk fd detkj i/kkue=h gekjh dkb leL;k u gkdj lek/kku gA vkidh /kkj.kk vkrfjd 0;oLFkk के लिये तो ठीक हो सकती है किन्तु विदेश सम्बन्ध अथवा युद्ध के समय कमजोर प्रधानमंत्री कैसे उपयुक्त होंगे\

mRrj& भारत तानाशाही का देश न होकर लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में देश किसी व्यवस्था से चलता है तथा प्रधानमंत्री किसी व्यवस्था का प्रमुख होता है। प्रधानमंत्री कभी भी ऐसा नहीं होना चाहिये जो स्वयं को व्यवस्था से उपर माने। प्रधानमंत्री को विशेष स्थिति में वीटा dk vf/kdkj gA fdUr i/kkue=h dk ;g Hkh dr0; g fd og dHkh ohVk dk mi;kx u djA ogh i/kkue=h vPNk gkrk g tk de l de ohVk dk mi;kx djA etcr 0;fDr i/kkue=h gkxk rk og vke rkj ij ohVk dk mi;kx djxkA og viu vkl ikl ;l eu bdVBk djx D;kfd xHkhj ykx rk mldh pkiylh ugh dj ldrA ;fn ;) dh fLFkfr g rk D;k vdyk i/kkue=h gh ;) yM yxk\ ;fn ,lh gkyr gkxh rk ef=eMy ;k lln आवश्यकतानुसार प्रधानमंत्री को विशेष अधिकार देगी। मेरे विचार में अब तक मजबूत प्रधानमंत्री के लिये समाज में चापलूसों द्वारा वाताoj.k r;kj fd;k x;kA विशेष कर नेहरू परिokj rFkk l?k ifjokj dk ble vf/kd ;kxnku jgkA vkt Hkh ;k rk ug: ifjokj d i{k e okrkoj.k cuk;k tk रहा है या नरेन्द्र मोदी के पक्ष मे। मनमोहन सिंह नीतिश कुमार सरीखे लोगो को इस दौड मे कमजोर किया जा रहा है। vc etcr i/kkue=h dh /kkj.kk d fojks/k की जरूरत है। भारत की शासन व्यवस्था इतनी मजबूत हो कि कोई मजबूत व्यक्ति भी प्रधानमंत्री बनकर उस व्यवस्था से उपर न tk ldA

3-**प्रश्न**– Kku rRo nk lk bD;kou e vkiu fy[kk fd lekt fojk/kh rRo lekt d vx ugh gkrA vc rd rk eu dHkh ,lk ugh luk\

mRrj& luk rk eu Hkh ;gh g fd lekt fojk/kh rRo Hkh lekt d gh vUnj gkr g fdUr eu fopkj fd;k fd lekt vkj lekt fojk/kh ,d lkFk dl lHko gA nkuk dh vyx vyx igpku g] vyx vyx iofr;k g] vyx vyx x.k g rFkk ,d nlj d ifr vyx 0;ogkj g rk nkuk ,dkdkj rk gk gh ugh ldrA ej fopkj e lekt fojk/kh rRok u gh ;g ipkj fd;k fd o rk lekt d vx gA tc rd mudh Li"V igpku ugh gb rc rd rk o lekt d vx g gh fdUr igpku gkr gh mUg lekt l vyx fdlh ty[kku d lin dj fn;k tkrk g ;k dHkh dHkh rk ekj gh nr gA vlkekftd ykx lekt d vx gkr gA Hky ;g gkrh g fd ge vlkekftd vkj lekt fojk/kh dk ,d gh eku yr g tcfd gkr g nkuk fcYdy vyx vyxA

4-**प्रश्न**– cngky fdlku dh vkfFkd leL;kvk dk lek/kku D;k g\

mRrj& कृत्रिम उर्जा पर भारी कर लगाकर उससे प्राप्त राशि का वितरण इस प्रकार हो
¼1½ xkeh.k xjhc Jethoh fdlku d mRiknu rFkk miHkksx dh lHkh oLr, ijh rjg dj eDr djA

(2) प्रत्येक व्यक्ति को जन्म से ही एकमुश्त जीवन सत्ता देकर सभी प्रकार की अन्य सुविधाएँ बन्द dj nA ;g lfo/kk oreku e nk gtkj :Ik;k ifr 0;fDr ifrekg d vkl ikl gkA

¼3½ lc idkj d df"k mRiknk d leFku eY; dk cgr c<k;k tk;A leFku eY; l uhp gku ij ljdkj mlI oLr dk [kjhndj ;k rk LVkd dj ;k fu;kr djA ljdkj [kjhn dj lLrk ckVu dk dke u djA

Hkkjr dh lHkh vkfFkd leL;kvk dk lek/kku df=e mtk dh Hkkjh eY; of) gh gA ;g eY; of) oreku le; e nk xuh rd djuk pkfg;A ol ;fn <kb xuh gk tk; rk T;knk vPNk gA

5-प्रश्न– vkiu fy[kk g fd jktuhfr] /ke] lekt lok vkfn dk 0;olk;hdj.k gk pdk gA ;g lp rk g fdUr D;k djuk pkfg;\

mRrj& प्राचीन समाज शास्त्री समझते थे कि विचार मंथन की दिशा में जाने वाले कम लोग होंगे। इसलिये उन्होंने विचार मंथन करने वालों का lokPp lEeku lokPp R;kx d lkFk tkMkA lokPp lEeku mlI lU;klh dk feyk tk Kku vkj R;kx dk lokPp gkA ;gk rd fd lU;klh dk राजा से भी ज्यादा सम्मान मिला। ब्राम्हण बनना कठिन कार्य था। जब ब्राम्हण क्षत्रिय वैश्य शूद्र कर्म से न बनकर जन्म से बनने लगे तब व्यवस्थk VV xbA vkt /ku l[k dk Hkh vk/kkj g vkj lEeku dk HkhA ;gh dkj.k g fd x:ok oL= igu dj jktuhfr dju, तक में कोई शर्म कभी महसूस नहीं होती। आवश्यक है कि सर्वोच्च सम्मान को ज्ञान और त्याग के साथ जोड़ने की प्रणाली विकसित हो। geu ,d lk rhl xkok e lcl vPN vkneh dk xke nork ?kkf"kr djd ,d ijijk cukb gA vki flIrEcj e vk;x rk n[k Hkh ldr gA

mRrjk/k

Jh ujUnz flg th

विकेन्द्रीयकरण का प्रयोगात्मक अर्थ समझने के लिए जाने ग्राम सभा सशक्तिकरण अभियान क्या है\

tc Hkh dgh] dHkh lekt dh leL;kvk ij viu lkfFk;k ,o vU; ykxk से चर्चा होती है तो उनके मूल में शक्ति के केन्द्रीयकरण होने का दोष सामने आता है। कहने का आशय यह है कि जब भी कहीं शक्ति केन्द्रित होगी तो सत्ता भोग के लोभी लोग उसका सरलता से उपयोग करेंx vkj ifj.kke Lo:Ik lekt dh 0;oLFkk fNUu&fHkUu gk tk;xh] tlk fd oreku e gk jgk gA yfdu bldk mipkj D;k g\ ---- ej fopkj l bldk मूल उपचार तो शक्ति का अकेन्द्रीयकरण है। चाहे वह शक्ति राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक किसी भी प्रकार की हो। कम से कम राष्ट्रीय सीमाओं के अन्दर जनता स्वयं को शासित न समझे। वह स्वशासन का अर्थ समझे और उसे स्वीकार करे। किन्तु समाज में इस स्थिति की स्थापना के fy; rk ge dkfrdkjh ifjoru dju gkxA tk fd ektnk fLFkfr e bru ljy ugh yxrA ge fodUnh;dj.k d fl)krk dk अपनी कार्यशैली d :Ik e] i;kx e ykdj bl dk;Z की शुरूआत कर सकते हैं। ------- ;|fi e ;gk ij fodUnh;dj.k dh fopkjdk }kjk LFkkfir ifjHkk"kk ,o mld LoHkko ij ppk ugh d:xkA cfYd bld i;kxkRed Lo:Ik ij ppk d:xkA fodUnh;dj.k 0;oLFkk e l/kkjokfn;k }kjk i;kx fd; जाने वाले शस्त्र के समान है। जो कि यदा–कदा शासन द्वारा बनाये गये जनहित के नियमों को प्रयोग में लाने की बात करते रहते हैं। यह शस्त्र ऐसे ykxk d gkFk e jgrk g D;kfd o 0;oLFkk dh detkfj;k dk le>r g] लेकिन वह इसका प्रयोग कभी–कभार ही मुश्किल से कर पाते हैं।

e bl 'kCn dh i;kxkRed fLFkfr d ckj e xtj le; e tc fopkj dj jgk Fkk rk e> NRrhlx< d cyjkeiy fty d jkepnij विकास खंड के लगभग एक सौ तीस गांव मे यहां के कर्मठ कार्य कर्ताओ द्वारा ग्राम सभा सशक्तिकरण अभियान चलाये जाने के बारे मे जानdkjh हुई । आरंभ मे इस बारे मे जानकर मेरे मन मे कोई विशेष प्रतिक्रिया नही हुई। क्योकि उत्तर प्रदेश मे ग्राम सभाएं ग्राम पंचायतो d edkcy ,lk कोई अधिकार प्राप्त नही है जो स्वतंत्रता की बात तो दूर उन्हे स्वयत्ता इकाई भी कहा जा सके। उत्तर प्रदेश मे ग्राम सभा द्वkjk ikfjr fd;k x;k dkb Hkh iLrko] ipk;r fopkj d fy; Lohdkj dj ;k u dj mldh eth ij fuHkj gA ogk xke lHkk dh cBd dk inu v/;{k fuokfpr पंचायत का प्रधान या उसकी अनुपस्थिति मे पंचायत का कोई अन्य निर्वाचित सदस्य ही होगा। वहां सोशल आडिट या tu lgHkkxhrk l gku oky vU; dkb dk; gkr g] ,lk dkb fu;e ugh gA xke i/kku ;k vU; ipk;r lnL;k dk muij vfu;ferrk ;k Hk"Vkpkj fl} gku dh fLFkfr e inkP;r dju d fu;e bru l[r g fd mudk ykdr= d ekfyd Lo:Ik l dkb lc/k ugh gA ey :प से उत्तर प्रदेश मे पंचायते निवार्चित gku d ckn fdlh ljdkjh ,tlh dh rjg dke djrh gA mudk dkb tu lgHkkxh Lo:i ugh gA yfdu /khj /khj e> NRrhlx< e xke lHkkvk d vf/kdkj rFkk fuokfpr ipk;rk ij mud gku oky iHkko dh tkudkjh gb rk e> bl dk;Øe dh xEHkhjrk dk ,glkl gvkA ;|fi ;gk ij Hkh fuokfpr ipk;r Lo; dk xke lHkk l mUeDr fl} djuk pkgrh gA rFkk viuh ftEenkfj;k dk utj vnkt dj viu dk;k e vfu;ferrk rFkk Hk"Vkpkj djuk viuk tUe fl} vf/kdkj ekurh gA ej fopkj l ; nkuk dk; gekjk jk"Vh; LoHkko cu pdk gA bl njkxg i.k fLFkfr d mUeyu d ckj e Hkkjr dh reke turk dk lkpuk gkxkA tlk dh bl dk;Øe e yx g, dk;drk turk dk fof/k }kjk iklr 'kfDr dk i;kx dju d fy; r;kj djd Hk"V r= d lkeu pukrh [kMh dj jg g rFkk nljh vkj yxkrkj 'kklu d le{k ;g ekx Hkh mBk jg g fd xke lHkkvk dk dk;ikfyd dh rjg gh fo/kk;h vf/kdkj Hkh feyA e fiNy djhc rhu eghu e bl dk;Øe d ckj e ftruh tkudkjh dj ik;k g og fodUnhdj.k 'kCn d ijHkkf"kr v/k dk i;kxkRed :i l lkeu j[krh gA vfHk;ku l tM dk;Ørk ykxk l ,l fofHkUUk fcUnvk ij ckr djr gA ftul tutkxj.k dk fo"k; rk Li"V gkrk gh g lkFk e xke lHkk d ekfyd Lo:i e lek;h gb 'kfDr dk cMh lgtrk l ,glkl gk tkrk g vkj mlI 'kfDr dk fof/kd i;kx viu ifrfuf/k;k ij fu;=.k dh fLFkfr Li"V dj nrk gA bldk Li"V mnkgj.k fodkl [kM dh ejek uked xke ipk;r e n[ku dk feykA tgk xko lHkk u xko ljip d dk;k dh folxfr;k o Hk"Vkpkj dk n[kr g, cger l ljip d fo:द्ध अविश्वास प्रसताव पारित कर विषय अगली कार्यवाही हेतु ljdkj dk if"kr dj fn;kA iklr tkudkjh d

vulkj 'kklu u fu;ekulkj mlI ljip dk c[kkLr djd tuHkkouk dk lEeku Hkh fd;kA bld vfrfjDr {k= d fuokfl;k l ckr phr djd ;g rF; Hkh lkeu vk;k g fd tgk पर व्यवस्था का प्रशासनिक ढांचा अकेले अकेले ykxk dh ckr ij /;ku ugh nrk gA ogk ij og xke lHkkvk d fu.k; ij /;ku n jgk gA ;|fi ,lh ?kVukvk dh ek=k cgr de g yfdu e bl vfHk;ku e tV dk;drkvk dh cMh lQyrk ekurk g tgk 0;oLFkk pyku oky ykxk dh xyfr;k d fo:) dHkh dkb ckr dgh gh ugh tkrh FkhA

मै मानता हॅं कि यह शुरूआत भर है। लेकिन ग्राम सभा की बैठक मे उपस्थित होकर जब लोग बात करते है वे आशिंक रूपk l gh lgh viu vf/kdkj dk i;kx djr g rk eglI gkrk g fd ;g 'kfDr d fodUnh; dj.k dk okLrfod Lo:i g ;k ; dg fd ;g fodUnh; dj.k की प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला e py jg i;kxk dh lQyrk ;k vlQyrk dk vkdyu nlj ykx djr jgxA yfdu eu rk ;gk ij db गांवों मे लोगो से बात करके यह जाना है कि स्वतंत्रता को स्वशासu l thou feyrk g vkr जनता जब अपनी बात कहना सीखती है तो दिशkkghu 0;oLFkk Lor% gh Bhd gkuk 'k: gk tkrh gA

vkeU=.k i=

fi: ; c/k]

नागरिक समिति रामानुजगंज ने दिनांक दस सितम्बर से तेइस सितम्बर तक एक विशाल ज्ञान यज्ञ का आयोजन धर्मशाला भवन के पास fd;ा है। इस आयोजन में देश भर के राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा आध्यात्मिक विद्वानों का अभूतपूर्व संगम मिल सकेगा जिसमें संत वित; कौशल जी महाराज, ब्रहमचारी राजसिंह जी आर्य, मौलिक चिन्तक बजरंग मुनि जी, प्रसिद्ध पत्रकार रामबहादुर राय आदि की स्वीकृति मिल चुकी हैA vन्ना हजारे जी, गोविन्दार्चाय जी का आना न आना परिसिथतियों पर निर्भर करता हे। देश भर से अन्य अनेक विद्वानों की स्वीकृति मिल चुdh gA

blh volj ij vki Kku ØkfUr ifjokj }kjk lpkfyr jkekutxt 'kgj d vkl ikl d ,d lk rhl xkok e py jg u; lekt jpuk ;ktuk dh ixfr dh tkudkjh Hkh iklr dj ldxA

rbl flrEcj dk ;K dk lekiu gkxkA lekiu d io nkigj ,d ct vke lHkk Hkh gkxhA vki lcl fuonu g fd vki lifjokj b"V fe=k lfgr bl ;K rFkk ;K l tM lxe e Hkkx yu dh dlk djA

v/;{k	mik/;{k	lfpo	fuond
jked".k iVy	vt; lkuh	iekn dlj	ukxfjd lehfr jkekutxt

संपर्क सूत्र– राजीव महेश्वरी $91 9179045559] $91 9617079344

ज्ञान यज्ञ

LFkku&jkekuqtxat
fnukad&10-09-2012 ls 23-09-2012 rd

igyk pj.k 10 flrEcj ls 14 flrEcj rdA nwljk pj.k 15 flrEcj ls 20 flrEcj rd rFkk rhljk pj.k 21 flrEcj ls 23 flrEcj rdA

igyk pj.k& 10 rkfj[k ls 14 rkfj[k rd

1-izfrfnu izkr% 8 cts ls 9-30 cts rd ;K rFkk ppkZ

2-izfrfnu jkr 7-30 cts ls 10-30 cts rd fofHkUu Ldwyksa ds cPpksa ds xhr] laxhr] ukVdA

10-9 lkseokj –शाम 3 बजे से 6 बजे तक ज्ञान कथा द्वारा बजरंगमुनि विषय–lekurk ;k Lor=rkA

11-9 eaxyokj –शाम 3 बजे से 6 बजे तक ज्ञान कथा विषय–भारतीय संविधान कितना सफल कितना असफल।

12-9 cq/kokj –शाम 3 बजे से 6 बजे तक ज्ञान कथा विषय–धर्म, समाज और राज्य।

13-9 xq:okj –शाम 3 बजे से 6 बजे तक ज्ञान कथा विषय–हमारी समस्याऍ fdruh okLrfod fdruh df=eA

14-9 **शुकवार** &izkr% 9-30 cts ls 12-30 cts rd Kku dFkk fo"k;&Hk"Vkpkj dkj.k vkSj lek/kkuA

शाम 3 बजे से 6 बजे तक राम कथा–विजय कौशल जी द्वारा।

nwljk pj.k& 15 rkfj[k ls 20 rkfj[k rd

1-izfrfnu izkr% 7%30 cts ls 9-30 cts rd ;K rFkk izopu cEgpkjh jktflag vk;Z }kjk&

15-9 **शनिवार** &izkr% 9-30 ls 11-30 rd ज्ञान कथा विषय–धर्म और उसकी विशेषताऍ।

16-9 jfookj &izkr% &&&&^&&&& Kku dFkk fo"k;&ifjokj 0;oLFkk vkSj ck/kk,A

17-9 lkseokj &izkr% &&&&^&&&& Kku dFkk fo"k;&vijk/k vkSj fu;=.kA

18-9 eaxyokj &izkr% &&&&^&&&& Kku dFkk fo"k;&vkfFkZd leL;k,a lek/kkuA

19-9 cq/kokj &izkr% &&&&^&&&& ज्ञान कथा विषय–विश्व स्तरीय समस्याएं और समाधान।

20-9 xq:okj &izkr% &&&^ 2-00 rd vk;ks dk;dzrk lEeyuA

15 flrEcj ls 19 flrEcj rd 11-30 cts ls 2 cts rd [kqyh ppkZ] fo"k; &

15-9 शनिवार ekufld 0;k;ke vFkkZr Kku ;KA

16-9 jfookj रामानुजगंज शहर परिचय।

17-9 lkseokj 0;fDrRo vkSj dfrZRo efu th dkA

18-9 exyokj ग्राम सभा सशक्तिकरण और नई समाज रचना।

19-9 c/kokj Vhe Kku dkfUr vfHk;ku dh cBd rFkk Vhe ykd LojkT; dh cBdA

प्रतिदिन 3 बजे से 6 बजे तक राम कथा – विजय कौशल जी महाराज तथा VheA

प्रतिदिन रात 7 बजे से 10 बजे तक वेद कथा तथा भजन उपदेश – ब्रम्हचारी राजसिंह जी तथा टीम।

rhljk pj.k& 21 rkfj[k ls 23 rkfj[k rd

izfrfnu 7%30 cts ls 9 cts rd ;K ,oa izopu & jktflag th

21-9 **शुकवार** 9 cts ls 11-30 cts rd VLV ppkA

11-30 बजे से 2 बजे तक रिश्तेदार बैठक।

2-30 cts ls 4 cts rd efu th }kjk bPNk ifrZ ?kks"k.kk rFkk Hkfo"; dh :ij[kkA

4-00 बजे से 6 बजे तक शिलान्यास ज्ञान मंदिर।

7 cts ls 10 cts rd on dFkk jktflag th }kjkA

22-9 शनिवार 9-30 ct l 11-30 ct rd & ,d o"k dh dk; ;ktuk dh iLrfrA
jktflg th vk;] ctjxefu th] vkpk; idt ,o fl)kFk 'kekA
11-30 ct l 2 ct rd & ykd lln ppkA
3 ct l 6 ct rd & ykd lln ppkA
शाम 7 बजे से 10 बजे तक – वेद कथा।

23-9 jfookj 9 ct l 12 ct rd & xke nork] xke ie[k cBdA
nkigj 1 ct l 3-30 ct rd & vke lHkkA
3-30 ct l 6 ct rd & lekiu l=A
शाम 6 बजे – यज्ञ समापन।

fuond & ukxfjd lehfr] jkeku tx t